ग्लौकोमा (काँचबिंद) का रोकथाम कैसे संभव है ?

यद्यपि ग्लौकोमा का कोई ईलाज नहीं है, परंतु इसे बढ़ने से रोका जा सकता है। यदि ग्लौकोमा के कारण दृष्टि चली गई है तो उसे वापस नहीं लाई जा सकती है। ग्लौकोमा के शुरुआत में ही उसका जाँच कर उपचार किया जाये तो बची हुई दृष्टि को बचाया जा सकता है।

ग्लौकोमा के उपचार के लिए मुख्यतः तीन तरीके अपनाये जाते हैं -

1. दवाई का प्रयोग
2. लेज़र
3. सर्जिकल

ग्लौकोमा के उपचार में मरीज का योगदान -

आँखो की दृष्टि जाने से पहले ही मरीज को स्वयं जल्द-से-जल्द इसकी जाँच करानी चाहिए तभी इस बीमारी को रोका जा सकता है। इस बीमारी से बचने के लिए साल में एक बार नेत्र विशेषज्ञ से जाँच अवश्य करानी चाहिए।

यदि एक बार ग्लौकोमा हो जाये, तो हमें पूरी उम्र देखभाल करने की आवश्यकता पड़ती है। इससे बचने के लिए यह जरुरी है कि हम नेत्र विशेषज्ञ द्वारा बताई हुई दवाई का प्रतिदिन सेवन करें और नेत्र विशेषज्ञ के पास आँखो की नियमित जाँच कराते रहें।

याद रखें ....

- ग्लौकोमा बिना किसी आगाह के नजर धीरे-धीरे कम करता है।
- आँखो की दृष्टि खोने से पहले ही जाँच एवं उपचार शुरु कर देना चाहिए।
- ग्लौकोमा से बचने का सही तरीका यह है कि हम आँखो की लगातार जाँच कराते रहें।
- ग्लौकोमा (काँचबिंद), मोतियाबिंद जैसा नहीं हैं। इसमें चली गई दृष्टि को ऑपरेशन एवं लेज़र के द्वारा भी वापस नहीं लाया जा सकता।

विश्वस्तरीय नेत्ररोग सुविधाएं

- बिना इंजेक्शन मोतियाबिंद ऑपरेशन (टॉपीकल फेको) ड्राप से शून्य करके।
- फेको द्वारा बिना टांके मोतियाबिंद ऑपरेशन एवं लेंस प्रत्यारोपण।
- लेसिक लेजर द्वारा चश्में का नंबर हटाने की सुविधा।
- डिजीटल नेत्र परिक्षण।
- डायबिटीज, ब्लड प्रेशर हेतु लेजर सुविधा ।
- आँख की प्लास्टिक सर्जरी एवं एंजियोग्राफी ।
- B-Scan आँखो की सोनोग्राफी ।
- O.C.T. आँख के नस (Optic Nerve) के फोटोग्राफ हेतु ।
- पैरामेट्री जांच काला मोतियाबिंद के लिए।

आंखों की सभी प्रकार की बीमारीयों का अत्याधुनिक मशीनों द्वारा ऑपरेशन एवं लेजर की सुविधा

ग्लौकोमा (काँचबिंद) से सावधान...

SBH EYE HOSPITAL PVT. LTD.

"WORLD CLASS EYE CARE"

New Rajendra Nagar, **Raipur** (C.G.) Mob.: 7440777771

Near Chhoti Line, **Fafadih, Raipur** (C.G.) 492 001
Mob.: 7440777771, Ph.: 0771 - 4037979, 4025063

A/32, Nandini Road, Near Uttam Talkies, Power House, **Bhilai** (C.G.) Mob.: 7440777771, 9644099108

www.sbhhospital.com

ग्लौकोमा (काँच बिंद) क्या है ?

ग्लौकोमा (काँचबिंद) आँख के अंदर एक ऐसी स्थिति है, जिसमें आँखो का तनाव (Pressure) धीरे-धीरे बढ़ता है और धीरे-धीरे यह Optic Nerve को नुकसान पहुँचाता है। अत: परिणाम स्वरुप नजर धीरे-धीरे बंद हो जाती है।

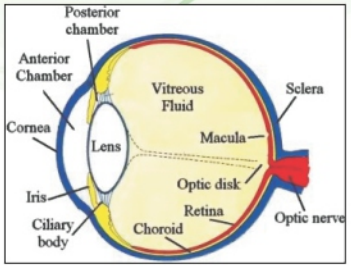

ग्लौकोमा (काँच बिंद) कैसे होता है ?

आँखो के अंदर लगातार Aqueous Humour नामक तरल प्रवाहित होते रहता है। आँखो की निश्चित आकृति बनाये रखने के लिए निश्चित मात्रा का Aqueous Humour तैयार होते रहता है और उसी मात्रा में आँखो से बाहर निकलते रहता है। यदि बाहर निकलने का रास्ता किसी वजह से बंद हो जाता है तो आँखो के अंदर तरल की मात्रा बढ़ने से आँखो का तनाव (Pressure) बढ़ जाता है। ये तनाव सीधा Optic Nerve को नुकसान पहुँचाकर धीरे-धीरे नजर बंद कर देता है। अगर सही समय पर इलाज न किया जाये, तो व्यक्ति हमेशा के लिए अंधा हो सकता है।

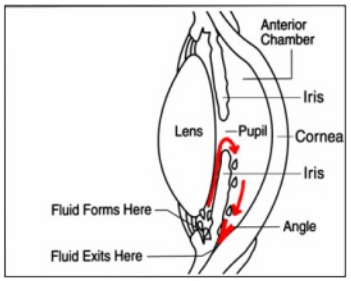

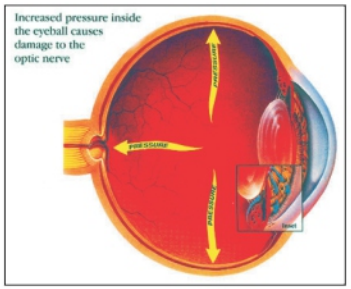

ग्लौकोमा (काँच बिंद) के प्रकार

ग्लौकोमा दो प्रकार के होते हैं -

1. शांत ग्लौकोमा (Open Angle Glaucoma)

इस प्रकार की ग्लौकोमा लोगों में अधिकतर होता है। इसमें बिल्कुल दर्द नही होता है और धीरे-धीरे नजर कम हो जाता है। इसमें आँखो की अवस्था सामान्य दिखता है, परंतु आँखो के अंदर नली से Aqueous humour ठीक से बाहर नहीं निकल पाता है और आँखो का तनाव बढ़ जाता है।

2. उग्र ग्लौकोमा (Closed Angle Glaucoma)

आइरिस और कार्निया के बीच का रास्ता कम या संकरा हो जाने से वहाँ से निकलने वाला नहीं Aqueous humour नहीं निकल पाता है, जिसकी वजह से आँखो में तनाव उत्पन्न होता है। जिसके कारण आँखो के अंदर का तनाव बढ़ जाता है। अत: परिणामस्वरुप आँखो में दर्द, कम दिखाई देना, सिरदर्द तथा उल्टी की शिकायते उत्पन्न होती है।

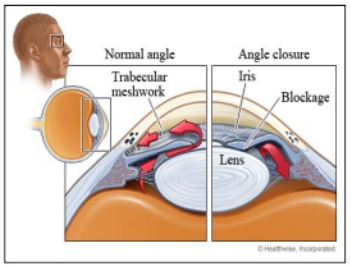

आखों का तनाव बढ़ने से Optic Nerve को धीरे-धीरे नुकसान होती है। इसमें मरीज की सामने की नजर साफ रहती है, लेकिन साइड से नजर कम होते जाती है। अगर मरीज सही समय पर इलाज नही कराता है, तो अचानक साइड से नजर कम हो गई ऐसा वह अनुभव करता है। मरीज को लगता है कि वह किसी ट्यूब या पाइप से देख रहा है और यह समय के साथ धीरे-धीरे बढ़ते जाता है

ग्लौकोमा (काँच बिंद) का शिकायत किसको हो सकता है?

- 45 वर्ष से अधिक उम्र के व्यक्ति को ।
- अपने परिवार में किसी को होने से ।
- बी.पी. या डायबिटीज के मरीज को ।
- अधिक दूरदृष्टि दोष और अधिक निकट दृष्टिकोण के मरीज को ।
- आँख के अंदर तनाव अधिक होने से ।

ग्लौकोमा (काँच बिंद) पता करने की विधि -

प्रतिदिन के परीक्षण से हम ग्लौकोमा का पता लगा सकते हैं। बढ़ते हुए ग्लौकोमा का पता लगाने के लिए प्राय: पाँच प्रकार के परीक्षण किये जाते है -

1. टोनोमेट्री : ''गोल्डमैन ऐप्लेनेशन टोनोमेट्री'' के द्वारा आँखों के अंदर का तनाव मापते हैं। यह तनाव मापने का उच्च स्तरीय तरीका होता है।

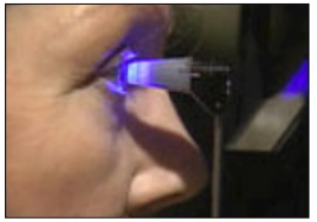

टोनोमेट्री

2. गोनियोस्कोपी : इस जांच के द्वारा आँखों के अंदर जिस जगह से Aqueous humour निकलता है, उस जगह को देख सकते हैं। 4 मिरर गोनियोस्कोप यह जाँच करने का उत्कृष्ट उपकरण है।

3. ऑप्थल्मोस्कोपी : इस जाँच के द्वारा आँख के Optic Nerve के बदलाव को देख सकते है।

4. पैरीमेट्री : जब नजर की सामान्य जाँच की जाती है, तो केन्द्रीय नजर की जाँच होती है। राऊंड नजर, जो ग्लौकोमा में सबसे अधिक प्रभावित होता है, इसी को जाँच करने के लिए ''पेरीमेट्री'' नामक मशीन का उपयोग किया जाता है।

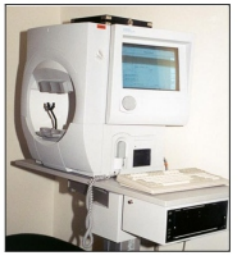

पैरीमेट्री

5. ओ.सीटी. : इसके द्वारा Optic Nerve Fiber की मोटाई का फोटोग्राफ लेते हैं, ताकि अगली बार तुलना कर सकें।

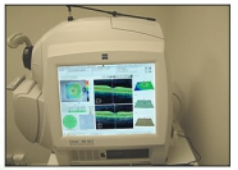

ओ.सी.टी.